

हाईकोर्ट ने स्कूल शिक्षा विभाग की पुनर्विचार याचिका खारिज की, दो अग्रिम वेतनवृद्धि देने का आदेश बरकरार

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने शिक्षकों को बीएड-डीएड की योग्यता हासिल करने पर मिलने वाली दो अग्रिम वेतनवृद्धि के मामले में राज्य सरकार को झटका दिया है। जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच ने स्कूल शिक्षा विभाग की पुनर्विचार याचिका खारिज करते हुए कहा कि एक ही वर्ग के कर्मचारियों के बीच बिना ठोस आधार और तार्किक उद्देश्य के मनमाने तरीके से कट-आफ तारीख तय कर अलग-अलग वर्ग नहीं बनाया जा सकता। सरकार महज परिपत्र जारी कर मूल नियमों के तहत समान रूप से पात्र कर्मचारियों को उनके वैधानिक लाभ से वंचित नहीं कर सकती।

मामला पन्ना जिले के शिक्षक सुमेर सिंह और भान सिंह से संबंधित है। दोनों शिक्षकों ने बीएड-डीएड की योग्यता हासिल की थी। हाई कोर्ट ने 16 जून 2025 को दोनों को संबंधित योग्यता पूरी करने पर दो अग्रिम वेतनवृद्धि देने का आदेश दिया था। राज्य सरकार ने इस आदेश को चुनौती देते हुए पुनर्विचार याचिका दायर की थी। सरकार की ओर से दलील दी गई कि दोनों शिक्षकों ने आवश्यक शैक्षणिक योग्यता एक मार्च 1999 के बाद हासिल की थी। इसलिए वे दो अग्रिम वेतनवृद्धि के पात्र नहीं हैं। सरकार ने इसी आधार पर पूर्व आदेश पर पुनर्विचार की मांग की। हाई कोर्ट ने मामले में लागू मूल नियमों और बाद में जारी परिपत्र की जांच की। सामने आया कि मूल नियमों के अनुसार 16 जून 1993 से पहले नियुक्त शिक्षकों को इस लाभ का पात्र माना गया था। 16 जून 1993 के बाद संबंधित शैक्षणिक योग्यता को शिक्षक भर्ती के लिए अनिवार्य कर दिया गया था।

इसके बाद सरकार ने एक परिपत्र जारी कर अतिरिक्त शर्त जोड़ दी कि 16 जून 1993 से पहले नियुक्त शिक्षक तभी अग्रिम वेतनवृद्धि के पात्र होंगे, जब उन्होंने बीएड-

सर्कुलर की आड़ में शिक्षकों का हक नहीं छीन सकती सरकार

► पाकिस्तान के सिंध से आए विस्थापित को 1959 में जमीन दिए जाने का दावा, हाईकोर्ट ने 27 साल पुरानी अपील खारिज की

सरकारी जमीन का मालिकाना हक नहीं दे सकती न्याय पंचायत

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सरकारी जमीन के स्वामित्व से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि न्याय पंचायत को सरकारी जमीन का मालिकाना हक किसी निजी व्यक्ति को देने का अधिकार नहीं है। राज्य सरकार की जमीन का वैध हस्तांतरण केवल सक्षम राजस्व अधिकारी द्वारा ही किया जा सकता है। जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच ने करीब 27 साल से लंबित अपील खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा।

मामला सतना जिले के रघुराज नगर में सर्किट हाउस के पास स्थित करीब 40 डिसमिल जमीन से जुड़ा है। कमलेश कुमार पटेल की ओर से दायर अपील में दावा किया गया था कि पाकिस्तान के सिंध क्षेत्र से वर्ष 1947 में विस्थापित होकर भारत आए मूलचंद पोहानी को वर्ष 1959 में यह जमीन दी गई थी। दावा था कि तत्कालीन रीवा भू-राजस्व एवं काश्तकारी संहिता, 1935 के तहत गठित न्याय पंचायत ने जमीन देने की अनुमति दी थी और इसके लिए 500 रुपये प्रीमियम भी जमा किया गया था। रिकार्ड के अनुसार मूलचंद पोहानी ने जमीन पर मकान बनाकर रहना शुरू किया। बाद में 14 जून 1985 को जमीन लाजपत राय को और 16 जनवरी 1987 को लाजपत राय ने इसे कमलेश कुमार पटेल को बेच दिया। हालांकि, 14 अगस्त 1987 को कमलेश कुमार पटेल को जमीन पर अतिक्रमणकारी मानते हुए नोटिस जारी किया गया। इसके बाद विवाद अदालतों तक पहुंचा और अंततः हाई कोर्ट में अपील दायर हुई। हाई

कैट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने किया शुभारंभ

रांझी उपकेंद्र में 10 एमवीए ट्रांसफार्मर शुरू, हजारों परिवारों को पावर कट से मिलेगी राहत

जबलपुर। कैट विधानसभा क्षेत्र के गोकलपुर, शारदा नगर, शांति नगर, राम नगर एवं बजरंग नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही विद्युत एवं बार-बार पावर कट की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। रांझी विद्युत उपकेंद्र में नवीन 10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया, जिसका शुभारंभ कैट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने किया। नए ट्रांसफार्मर के शुरू होने से क्षेत्र की विद्युत वितरण क्षमता बढ़ेगी और हजारों परिवारों को बार-बार होने वाले विद्युत व्यवधान से राहत मिलने की उम्मीद है। बढ़ती आबादी और विद्युत भार को देखते हुए अतिरिक्त क्षमता की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। इस अवसर पर विधायक रोहाणी ने कहा कि क्षेत्रवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। नए ट्रांसफार्मर से विद्युत व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी और उपभोक्ताओं को सुचारू एवं बेहतर बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि कैट विधानसभा क्षेत्र में जनसमस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण कर विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है। ट्रांसफार्मर के शुभारंभ पर क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विधायक का आभार जताया। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य एवं पार्षद दामोदर सोनी, मंडल अध्यक्ष पुष्पराम सिंह सेंगर, पार्षद निशांत झरिया, अनुराग दहिया, संतोषी ठाकुर, दशरथ पटेल, हेमराज सारथी, सुधीर बेन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

रक्षाबंधन पर राजकुमारी बाई बाल निकेतन की बालिकाओं से कलेक्टर ने बंधवाई राखी

जबलपुर। रक्षाबंधन पर्व पर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने श्री राजकुमारी बाई बाल निकेतन पहुंचकर यहाँ निवासरत बालिकाओं से राखी बंधवाई और उनके साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सिंह ने बालिकाओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बालिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में किरतार आगे बढ़ने, आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा करने और लक्ष्य प्राप्ति के लिए किरतार प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। श्री सिंह ने कहा कि जीवन में शिक्षा और आत्मविश्वास सफलता की महत्वपूर्ण आधारशिला है। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं के बीच आनंद, स्नेह और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। कलेक्टर श्री सिंह ने बालिकाओं को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी सौरव सिंह, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास संजय अबाहन तथा संस्था के अध्यक्ष एड. मदन मोहन भी संस्था उपस्थित रहे।

बाबा नीब करौली की संपत्ति का विवाद पोतियों ने लगाया घर और मंदिर पर ट्रस्ट के कब्जे का आरोप

हरिभूमि न्यूज ►► जबलपुर

फिरोजाबाद के अकबरपुर गांव में बाबा नीब करौली की पेटुक संपत्ति को लेकर विवाद को लेकर पोतियों ने डीएम को पत्र लिखा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि घर और मंदिर ट्रस्ट को दान नहीं किया गया था, इसके बावजूद ट्रस्ट वहां कब्जा जमाए है। जिलाधिकारी ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

बाबा नीम करौली की सबसे बड़ी पहचान नैनीताल के कैची धाम से है। उनकी जन्मभूमि फिरोजाबाद के अकबरपुर गांव में है। यहीं बाबा का पुराना घर, मंदिर और डाक बंगलिया की संपत्ति है। इसी संपत्ति को लेकर अब परिवार और ट्रस्ट के बीच विवाद है। परिवार में दो बेटे और एक बेटी थी। बड़े बेटे अनेक शर्मा, छोटे बेटे धर्म नारायण शर्मा और बेटी गिरिजा देवी। बड़े बेटे के एक बेटा और एक बेटा हैं। छोटे बेटे की छह बेटियां हैं, जिन्होंने मामलों को लेकर शिकायत दर्ज कराई है।

यह है परिवार की शिकायत

बाबा के छोटे बेटे धर्म नारायण शर्मा की छह बेटियों ने डीएम को शिकायत भेजी है। उनका कहना है कि परिवार का घर और मंदिर कभी ट्रस्ट को दान नहीं किया गया। फिर भी ट्रस्ट संपत्ति पर कब्जा जमाए बैठा है। परिवार ने मांग की है कि दस्तावेजों की जांच हो। साथ ही ट्रस्ट का संचालन भी परिवार को सौंपा जाए, जब तक स्थिति साफ न हो। तो वहीं इस पर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष मनोज अववाल ने परिवार के आरोपों को झिरे से खारिज करते हुए कहा कि घर, मंदिर और डाक बंगलिया ट्रस्ट को ही दिए गए थे। उनका कहना है कि अंगर संपत्ति दान नहीं हुई होती। तो ट्रस्ट इतने सालों से देखरेख क्यों करता।

संस्कारधानी समरसता कजलियां महोत्सव आज

► हनुमान सरोवर में पारंपरिक गीत-संगीत के साथ मिलेगा बुंदेली व्यंजनों का स्वाद
► समरसता सेवा संगठन के संयोजन में चौथे वर्ष हो रहा आयोजन

जबलपुर। समरसता के प्रतीक कजलियां महोत्सव के अवसर पर समरसता सेवा संगठन के संयोजन में सर्व समाज की सहभागिता से संस्कारधानी समरसता कजलियां महोत्सव का आयोजन शनिवार 29 अगस्त को दोपहर 2 बजे से हनुमान सरोवर में किया जाएगा। आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

संगठन अध्यक्ष पवन पांडे ने बताया कि महोत्सव में संत-महंतों एवं प्रबुद्धजनों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आयोजन में कजलियों की पारंपरिकता के साथ साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। 'सनातन संस्कृति में समरसता के प्रतीक पर्व कजलियों का महत्व' विषय पर माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक एवं महाविद्यालयीन वर्ग के लिए 'समरसता एवं सांस्कृतिक एकता का प्रतीक कजलियां' विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई है।

महोत्सव में बच्चों के लिए विविध वेशभूषा प्रतियोगिता तथा महिलाओं के लिए पूजा की थाली सजाओ एवं हस्तनिर्मित राखी प्रतियोगिता होगी। विभिन्न समाजों द्वारा लगाए जाने वाले स्टॉल पर पारंपरिक एवं स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद भी आर्गतुक उठा सकेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बुंदेलखंड के लोकप्रिय कलाकार देवी अग्रवाल एवं श्याम बैरागी सहित स्थानीय कलाकारों द्वारा भजन, लोकगीत एवं पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इस वर्ष महोत्सव को मेले का स्वरूप भी दिया गया है, जहां पारंपरिक मनोरंजन के साथ धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। समरसता सेवा संगठन के संस्थापक अध्यक्ष संदीप जैन, अध्यक्ष पवन पांडे एवं सचिव मनोज सेठ ने 'सबको जानें, सबको मांने' के ध्येय वाक्य के साथ संस्कारधानी के सभी नागरिकों से महोत्सव में शामिल होने की अपील की है।

महापौर अन्नू ने रेलवे स्टेशन से तीन पती चौक तक बहनों संग किया सफर

जबलपुर। रक्षाबंधन पर्व पर महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने प्रतिवर्ष की परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी माताओं एवं बहनों के लिए निःशुल्क मेट्रो बस सेवा उपलब्ध कराई। महापौर ने स्वयं माल गोदाम, प्लेटफार्म नंबर 6 रेलवे स्टेशन से तीन पती चौक तक माताओं-बहनों के साथ मेट्रो बस में यात्रा की। इस दौरान महापौर अन्नू के साथ निगम अध्यक्ष रिकू विज, एमआईसी सदस्य एवं पार्षद दल भी मौजूद रहा। महापौर, निगम अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधियों ने माताओं-बहनों से राखी बंधवाकर उनका आशीर्वाद लिया। महापौर ने कहा, "मैं आप सभी माताओं-बहनों को प्रणाम करता हूं। आपका भाई आपके साथ है। आपको हर सुख-दुख की घड़ी में हम सदैव आपके

रक्षाबंधन पर माताओं-बहनों के लिए निःशुल्क चली मेट्रो बस

साथ खड़े रहेंगे।" महापौर ने माताओं-बहनों को उपहार भी भेंट किए और उनसे अपना आशीर्वाद बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के

अवसर पर निःशुल्क बस सेवा का उद्देश्य बहनों को आवागमन में सुविधा देना और पर्व की खुशियों को साझा करना है। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य डॉ. सुभाष

तिवारी, विवेक राम सोनकर, दामोदर सोनी, रजनी कैलाश साहू, अंशुल राघवेंद्र यादव सहित पार्षदांग एवं बड़ी संख्या में माताएं-बहनें उपस्थित रहीं।

विजय नगर स्थित नेक्टर लॉन में होगा कार्यक्रम महाकौशल क्षेत्रीय गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ का शपथ ग्रहण समारोह कल

हरिभूमि न्यूज ►► जबलपुर

महाकौशल क्षेत्रीय गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ का शपथ ग्रहण समारोह कल रविवार, 30 अगस्त 2026 को प्रातः 9 बजे से विजय नगर स्थित नेक्टर लॉन, शाही पैलेस के पीछे, एस.बी.आई. चौक के पास में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सेठ 'राज', व विशिष्ट अतिथि रमेश सरावगी उपाध्यक्ष महासभा - प्रभारी महाकौशल क्षेत्रीय सभा, वीरेन्द्र सोनी अध्यक्ष महासभा मालवा क्षेत्रीय गहोई वैश्य सभा, राधेलाल गेड़ा मंत्री अखिल भारतीय गहोई वैश्य संघ, शिवकुमार नीखरा अध्यक्ष महाकौशल क्षेत्रीय गहोई वैश्य सभा, सुभाष रावत वरिष्ठ उपाध्यक्ष सहित जबलपुर गहोई

वैश्य समाज पंचायत के अध्यक्ष रामगोपाल ददरया, पूर्व समाजाध्यक्ष विजय सुहाने, डॉ अरुण सरावगी रहेंगे। समारोह में उपस्थिती की अपील महाकौशल क्षेत्रीय गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ के अध्यक्ष एड. लॉन, शाही पैलेस के पीछे, एस.बी.आई. चौक के पास में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सेठ 'राज', व विशिष्ट अतिथि रमेश सरावगी उपाध्यक्ष महासभा - प्रभारी महाकौशल क्षेत्रीय सभा, वीरेन्द्र सोनी अध्यक्ष महासभा मालवा क्षेत्रीय गहोई वैश्य सभा, राधेलाल गेड़ा मंत्री अखिल भारतीय गहोई वैश्य संघ, शिवकुमार नीखरा अध्यक्ष महाकौशल क्षेत्रीय गहोई वैश्य सभा, सुभाष रावत वरिष्ठ उपाध्यक्ष सहित जबलपुर गहोई

बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांधकर की लम्बी उम्र की कामना

बहना ने भाई की कलाई में.....

सिहोरा। भाई-बहन की अटूट प्रेम और स्नेह का महापर्व रक्षा बंधन शुक्रवार को नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ परंपरागत तरीके से मनाया गया। बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांधकर सुख,शांति,समृद्धि और लंबी उम्र की कामना की। मंगल टीका आरती के साथ ही मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की। भाईयों ने भी बहनों को राशी के साथ उपहार दिये। खासकर छोटी बच्चियों में उत्साह के कई रंग दिखे। दोपहर से देर शाम तक राखी बांधने और बंधवाने का दौर जारी रहा। परदेस से भाई अपने घर लौटते रहे और राखी बंधवाते रहे।

बाजारों में सुबह से शाम तक रही चहल-पहल

एक दिन पहले गुरुवार को भी झण्डा



बाजार सहित प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में ही बाजार में लोग खरीदी करने पहुंच गए थे। खरीददारों की भीड़ बनी रही। सुबह के समय जिन बहनों ने पहले राखियां और

कपड़े,मिठाइयां नहीं खरीदी थीं उन्होंने गुरुवार को बाजार में पहुंचकर पहले खरीदी की और फिर रक्षा बंधन मनाने के लिए रवाना हुईं। रात 8 बजे तक बाजार में खासी भीड़ देखी गई।

दिनभर यात्री होते रहे परेशान

बहनों के अपने माता-पिता भाई के घर जाने के साथ अन्य लोगों की काफी भीड़ सिहोरा खितौला बस स्टैंड में देखी गई हालत यह थे कि यात्री वाहनों में पैर रखने की जगह नहीं मिल रही थी। इस कारण लोगों को वाहनों का काफी देर तक इंतजार करना पड़ रहा था यही हालत ट्रेनों की भी थी लोग किसी तरह गाड़ियों में चढ़ने की मशक्कत कर रहे थे। कई लोगों को बसों और ट्रेनों में जगह नहीं मिलने के कारण निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ा।

‘साझी विरासत राखी महोत्सव’ में गूंजा प्रेम और भाईचारे का संदेश

जबलपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) द्वारा ‘साझी विरासत राखी महोत्सव’ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक सौहार्द, प्रेम, आपसी भाईचारे, सद्भाव एवं एकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में लखन घनघोरिया, दिनेश यादव, गीता शरत तिवारी, अमरीश मिश्रा, सरबजीत सिंह रील, बंटी गुप्ता, गुड्डू नबी, आलोक गुप्ता, आरिफ बेग, अमरचंद बाबरिया, देवकी पटेल, खुशीद अंसारी, पुष्कल शर्मा, राजेश दीवान, आसिफ इकबाल, कीर्ति सिंह, समर्थ अक्स्थी, रिजवान अली कोटी, एड. हाजी एजाज खान, रंजीत सिंह ठाकुर, असलम



खान, विक्रम ठाकुर, तबस्सुम अंसारी, मोनिका सिंह, अफसाना अंसारी, पूजा सिंह, कामिल भाई, श्वेता सेगुअल, अशोक यादव, सतीश सराटे, राजकुमार सोनी एवं जफर खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।आयोजकों ने कहा कि

रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि समाज में आपसी विश्वास, सद्भाव और एकजुटता को मजबूत करने का अवसर भी है। ‘साझी विरासत राखी महोत्सव’ के माध्यम से इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

समरसता कलश यात्रा का हुआ भव्य स्वागत



सिहोरा। शत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के 650 जयंती वर्ष के पावन पर्व पर आयोजित समरसता संकल्प अभियान के तहत भव्य कलश रथ यात्रा का आगमन हुआ। कलश यात्रा के रविदास मंदिर नया मोहल्ला वार्ड

क्रमांक 1 पहुंचने पर सभी ने उसका पूजन अर्चन किया। आयोजन में उपस्थित अतिथियों ने रविदास जी के आदर्शों के साथ उनके एकता भाईचारे के संबंध पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल

अध्यक्ष अशोक चौधरी,सतीश पटेल नगर मंडल अध्यक्ष,अनिल चौधरी जनपद सदस्य, प्रमोद चौधरी पार्षद, सुनील चक्रवर्ती, सुष्पी बर्मन,नरेश चौधरी,संदीप वंशकार सहित अनेक मातृशक्ति उपस्थित थीं।

नर्मदा पंचकोशी स्वर्ण कलश की हुई 108 परिक्रमा

जबलपुर । हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास जी महाराज ने पहली राखी भगवान राधा कृष्ण को बांधकर रक्षाबंधन मनाया गया । संकीर्तचार्य सुरेश विश्वकर्मा नर्मदा चैतन्य महाप्रभु संकेतन मंडल के अध्यक्ष विनोद दीवान, दुर्गा पटेल के सानिध्य में सावन पूर्णिमा पर नर्मदा स्वर्ण कलश की भगवान राधा कृष्णा लड्डू गोपाल तुलसी मैया की एक साथ 108 परिक्रमा संकीर्तन करते हुए की गई । सभी भक्तों ने नशा मुक्ति का संकल्प लिया एवं नर्मदा स्वच्छ रहे इसकी कामना की । इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक एवं परिक्रमा अध्यक्ष



डॉ सुधीर अग्रवाल परिक्रमा संरक्षक सुष्मा शंकर पटेल, सह संकीर्तनचार्य श्याम मनोहर पटेल, मनोज गुलाबबानी, विनोद



लखनादौन में स्थापित होगा तीसरा पावर ट्रांसफार्मर

जबलपुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने सिवनी जिले के 132 केवी एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशन लखनादौन का निरीक्षण किया। उन्होंने सबस्टेशन की वोल्टेज प्रोफाइल, विद्युत भार तथा क्षेत्र में बढ़ती बिजली की मांग की समीक्षा की।समीक्षा के बाद एमडी ने सबस्टेशन में एक अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित करने के निर्देश दिए। वर्तमान में यहां दो पावर ट्रांसफार्मर संचालित हैं। तीसरे ट्रांसफार्मर की स्थापना से लखनादौन सहित आदिवासी बहुल क्षेत्रों धुमा, आदेगांव, छपारा, कहानी एवं धनोरा की पारंपरण व्यवस्था अधिक विश्वसनीय और मजबूत होगी। इससे क्षेत्र के हजारों घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी। निरीक्षण के दौरान सुनील तिवारी ने सबस्टेशन की ऑपरेशन एवं मटेनेंस व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आउटसोर्स कार्मिकों से संवाद कर उनकी कार्य परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली और विद्युत तंत्र की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सतर्कता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता (टैरिस्टिंग) एम.वाई. मंसूरी, अधीक्षण अभियंता (टैरिस्टिंग) सिवनी एन.एस. लोधी, कार्यपालन अभियंता अरुण वैद्य, सहायक अभियंता श्रीमती सीमा डोंगरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एमपी ट्रांसको एमडी सुनील तिवारी ने 132 केवी सबस्टेशन का किया निरीक्षण, सिवनी की पारंपरण व्यवस्था होगी मजबूत

जन्माष्टमी को मथुरा-वृंदावन की तर्ज पर भव्य बनाने हुई बैठक

जबलपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पर्व को संस्कारधानी जबलपुर में मथुरा-वृंदावन की तर्ज पर भव्य एवं दिव्य स्वरूप देने के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। आयोजन में नए नवाचारों के माध्यम से युवा पीढ़ी को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं एवं जीवन चरित्र से परिचित कराने तथा बच्चों को संस्कारवान बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

यह बात जगतगुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी नरसिंह देवाचार्य जी महाराज ने नरसिंह मंदिर, शास्त्री ब्रिज में आयोजित बैठक में कही। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सनातन धर्म महासभा के तत्वावधान में लगातार 47वें वर्ष 4 सितंबर को दोपहर 2 बजे से विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। आयोजन की व्यवस्थाओं को

लेकर महाराज के सानिध्य में मंत्री राकेश सिंह ने कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार, एसपी संपत उपाध्याय, एसडीएम, पुलिस एवं जिला प्रशासन तथा नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में शोभायात्रा के साथ शहर के सभी श्रीकृष्ण मंदिरों में स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और श्रद्धालुओं के सुगम



आवागमन एवं दर्शन की व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में सनातन धर्म महासभा अध्यक्ष श्याम साहनी, गुलशन मखीजा, शरद काबरा, प्रवेश खेड़ा, विष्णु पटेल, प्रेम पुरी गोस्वामी, पप्पन मिश्रा, विध्वेश भापकर, सोनल सेठी एवं पूजा खेड़ा सहित अन्य प दा धि का री उपस्थित रहे।

मानस भवन में 27वां महाकौशल खेल रत्न अलंकरण समारोह, खेल विभूतियां होंगी सम्मानित

जबलपुर। हॉकी के जादूगर स्व. मेजर ध्यानचंद की 121वीं जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त को मानस भवन में महाकौशल क्रीड़ा परिषद द्वारा 27वें महाकौशल खेल रत्न अलंकरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में महाकौशल क्षेत्र की विभिन्न खेल प्रतिभाओं एवं खेल संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। खिलाड़ियों को ब्लेजर, पगड़ी, टाई एवं सम्मान पत्र प्रदान किए जाएंगे। समारोह में अंतरराष्ट्रीय खेल सितारे संस्था अग्रवाल, पूर्व कप्तान भारतीय महिला क्रिकेट टीम, प्रेमचंद ढींगरा, मिस्टर वर्ल्ड बॉडीबिल्डर, पद्मश्री एवं अर्जुन अवार्ड प्राप्त, अमनप्रीत सिंह, स्ट्रॉनमैन ऑफ इंडिया, तनिक शुक्ला, सोनी टीवी के फर्स्ट रनअप एवं अंतरराष्ट्रीय कवि सुदीप भोला

उपस्थित रहेंगे।स्व. पीटर थंगराज, ओलंपियन एवं अर्जुन अवार्ड प्राप्त फुटबॉलर को मरणोपरांत महाकौशल खेल शिरोमणि अलंकरण उनके सुपुत्र एवं अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर हेरी एंथोनी पीटर को प्रदान किया जाएगा। हरीश गांधी को भी महाकौशल खेल शिरोमणि अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा। विक्रम पुरस्कार विजेता सारिका पासी को एथलेटिक्स महिला तथा मुन्नालाल को पुरुष वर्ग में सम्मान मिलेगा। इसके अलावा बॉक्सिंग में अब्दुल रब, बॉडीबिल्डिंग में लॉरेंस मार्टिन, साइक्लिंग में भूयश कपूर, जूडो में नौशीन अंजुम, कराते में सजल उपाध्याय, वेटलिफ्टिंग में अनूप अवस्थी, तैराकी में मानवी श्रीवास्तव, हॉकी में एल्विन सुशील कुमार, पावरलिफ्टिंग में यशवर्धन सिंह, खो-खो में प्रभात पटेल व अंजलि वर्मा, फुटबॉल में जाइनेक्स मैथ्यूज, वुशु में वीर सिंह

राजपूत, कुश्ती में कमल सोनकर व जगदीश कैथल, वॉलीबॉल में डॉ. के.बी. अग्रवाल, कबड्डी में चंदा सोनी व बीना बर्मन, शतरंज में निश्वय शर्मा, योगसन में दीपा लोधी तथा क्रिकेट में विक्रम जनसारी को महाकौशल खेल रत्न अलंकरण 2026 प्रदान किया जाएगा।दिव्यांग श्रेणी में पैरा पावरलिफ्टिंग खिलाड़ी गजेन्द्र सिंह, बालाघाट से कराते में सुशांक पारधी, कटनी से कुश्ती में चंदन चक्रवर्ती, सिवनी से हॉकी में नौशीन नाज एवं छिंदवाड़ा से फुटबॉल में भारती राठौर को भी सम्मानित किया जाएगा।खेलों को बढ़ावा देने वाली संस्थाओं में सहयोग क्रीड़ा मंडल गोटेगांव (नरसिंहपुर), बुधे गोंड अखाड़ा पनागर, हॉकी फीडर सेंटर रानीताल, कौत्य वेंचर्स रंगभूमि राइट टाउन एवं पंचक स्लॉट एसोसिएशन को भी सम्मान प्रदान किया जाएगा।

आयोजन में बाबू विश्व मोहन, रजत भार्गव, राजेश जैन पिंकी, रवि पटेल, एडवोकेट अशोक गुप्ता, डॉ. प्रशांत मिश्र, अभिनव जैन, आरिफ बेग, राकेश अयाची, वीरेंद्र सिंह ठाकुर, हेमंत नायडू, सत्येंद्र ज्योतिषी, मनोज सेठ, आलोक असादी, रोहित चोपड़ा, एरिक लोबो, आशीष तिवारी, रोहित यादव, राजेश राजपूत, योगेंद्र तिवारी, लोकमन पटेल एवं शकील अनवर सहित आयोजन समिति के सदस्यों तथा महाकौशल क्रीड़ा परिषद की सहयोगी कार्यकारिणी आकांक्षा ठाकुर, गुरदीप वाधवा, गौरव केसरवानी, देवेश गुप्ता, प्रज्ञान मिश्रा, अभय भाटी, सुखप्रीत सिंह बक्शी, पवन पटेल, अभिषेक जाटव, अंश वर्धन नायडू, दीपक विश्वकर्मा, रत्नेश सोनी एवं औवैस राजा का सहयोग रहेगा।

निर्मला चर्च में आज से शुरू होगी नौ दिवसीय नवीना प्रार्थना

जबलपुर। घमापुर स्थित निर्मला चर्च में माता वेलांकनी के सम्मान में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली नौ दिवसीय नवीना प्रार्थना का शुभारंभ शनिवार से होगा। मसीही समाज द्वारा पिछले 54 वर्षों से प्रेम, श्रद्धा और अटूट विश्वास के साथ इस धार्मिक आयोजन को मनाया जा रहा है। शुभारंभ अवसर पर ध्वजारोहण के साथ मिस्सा बलिदान अर्पित किया जाएगा।

धार्मिक अनुष्ठान में मुख्ययाजक फा. जय प्रकाश तिरुकी एवं ओ. प्रेम, प्रायर सेंट नॉर्बर्ट एबी, जमतरा उपस्थित रहेंगे। 7 सितंबर तक प्रतिदिन शाम 6:15 बजे मिस्सा बलिदान एवं नवीना प्रार्थना होगी। वहीं 8 सितंबर को शाम 5:30 बजे माता वेलांकनी के जन्म उत्सव के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद मिस्सा बलिदान अर्पित किया जाएगा, जिसके महायाजक परम श्रद्धेय डॉ. जे. जी. वलन अरासु, धर्माध्यक्ष, कैथोलिक धर्मप्रार्त जबलपुर होंगे। अंतिम आशीष के पश्चात उपस्थित विश्वासियों के लिए प्रतिभोग का आयोजन किया जाएगा। पल्ली पुरोहित फा. जेवियर फ्रांसिस एवं मनोज एन्थोनी ने समस्त स्वजातीय बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धार्मिक आयोजन में सहभागिता करने की अपील की है।



श्रीमती गीता केवट- संजय गांधी नगर सदर केंद्र निवासी श्री ओम प्रकाश केवट की धर्मपत्नी श्रीमती गीता केवट (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री चंदू लाल जेठवा- हाथीताल रेलवे फाटक के पास निवासी श्री चंदू लाल जेठवा (76) निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्रीमती कमलेश ठाकुर- न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री मनीराम ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती कमलेश ठाकुर (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री सोना लाल प्रजापति- लालमाटी गोपाल होटल सिंधी धर्मशाला के पास निवासी श्री सोना लाल प्रजापति (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री अभिषेक पांडे- गढ़ाफाटक पड़ाव के पास निवासी श्री अयोध्या प्रसाद पांडे के पुत्र श्री अभिषेक पांडे (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम

में संपन्न हुआ। श्री नारायण प्रसाद रैकवार- बेलबाग निवासी श्री नारायण प्रसाद रैकवार (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया। श्री गया प्रसाद श्रीवास- सिविल लाइन निवासी श्री गया प्रसाद श्रीवास (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती मंजू कोहली- हाथीताल गोरखपुर निवासी श्री चमन लाल कोहली की धर्मपत्नी श्रीमती मंजू कोहली (68) निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्रीमती माया गुप्ता- सदर निवासी श्री गोपाल गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती माया गुप्ता (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती कस्तूरी चौधरी- हनुमान टोरिया कांचधर निवासी श्री राम अवतार चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती कस्तूरी चौधरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार

करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री महेश प्रसाद दुबे- सर्वे ऑफ इंडिया के पास विजयनगर निवासी श्री महेश प्रसाद दुबे (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार



गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमदन चौधरी- झिन्ना मोहल्ला बारूदखाना निवासी श्री मदन चौधरी (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया। श्रीमती धरमावती देवी वैद्य- यादव कॉलोनी निवासी श्री कैलाश वैद्य की धर्मपत्नी श्रीमती धरमावती देवी वैद्य (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री विष्णु सोनकर- खाई

मोहल्ला सिंधी कैप पुलिस चौकी के पीछे निवासी श्री विष्णु सोनकर (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया। श्री इमरत लाल चौधरी- शांति नगर समता कॉलोनी निवासी श्री इरमत लाल चौधरी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री राजाराम ठाकुर- पीपल मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री राजाराम ठाकुर निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्रीमती बसंती तिवारी- शिवनगर दमोहनाका निवासी श्री एसपी तिवारी की धर्मपत्नी श्री बसंती तिवारी (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गेंदा लाल कुरील- चांदमारी टैरिस्टिंग रोड निवासी श्री गेंदा लाल कुरील (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया। श्री नंदी लाल- ग्राम ढकरवा सिहोरा निवासी श्री नंदी लाल (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री भूपेश कुमार मिश्रा- ई डबल्यू एस फेस 2 मां नर्मदे नगर बिलहरी निवासी श्री भूपेश कुमार मिश्रा (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया। श्री राहुल बर्मन- साई नगर रामपुर निवासी श्री विष्णु प्रसाद बर्मन के पुत्र श्री राहुल बर्मन (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
जबलपुर
पत्रिका

विजय/शेखर/उत्तरावन, एगड़ी रम, पुष्पतिवि
संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अल्प काल में
400/-
प्रति कल्पित है।

किस्मट सड़क:-
100/- से मी.
किस्मट सड़क:-
100/- से मी.

वैकल्पिक/सर्वेट
200/-
रंगीन
1100/-

सम्पर्क करें कितापन विभाग- 9303508295, 9407362160

शांतम प्रज्ञा आश्रम में मनाया गया रक्षाबंधन

जबलपुर। श्रावण मास की पूर्णिमा रक्षाबंधन के पवित्र त्यौहार के अवसर पर शांतम प्रज्ञा आश्रम नशामुक्ति, मनोआरोग्य, दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में रक्षाबंधन उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर आश्रम में उपचाररत नशा पीड़ित एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ दिव्यांग बन्धुओं ने एक दूसरे को राखी बांधकर सभी के स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट, फिलॉसफ़र शांतम प्रज्ञा आश्रम के संचालक मुकेश कुमार सेन ने रक्षाबंधन से जुड़ी पौराणिक कथाओं के विषय में आश्रम में उपचाररत मरीजों को बताया।

माता लक्ष्मी और राजा बलि से जुड़ी कहानी, भगवान कृष्ण और द्रौपदी से जुड़ी कथा, यमराज और यमुना से जुड़ी है, पौराणिक कथा एवं इद्राणी और देवराज इंद्र की कथा के साथ ही उन्होंने बताया कि रक्षा बंधन का त्यौहार हर भाई-बहन के लिए ही खास नहीं होता है, बल्कि रक्षाबंधन को पवित्र उत्सव है जब हम अपने कर्तव्यों का पालन कर दूसरों



की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। रक्षाबंधन हमारे राष्ट्र के प्रति दायित्व का बोध कराता है हमें समाजहित के लिए प्रेरित करता है रक्षाबंधन वो महापर्व है जो हमें अपनी जिम्मेदारी से सर्व कल्याण की भावना के बंधन में बांधता है इसलिए हम

सभी को रक्षाबंधन के महापर्व पर स्वयं सहित सभी की रक्षा करने का संकल्प लेना चाहिए। रक्षा बंधन का अर्थ है- सुरक्षा का धागा। इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर रक्षासूत्र या राखी बांधकर उनकी लंबी आयु के साथ सुख-समृद्धि

और खुशहाली की कामना करती हैं। भाई भी अपनी बहन को हर परिस्थिति में रक्षा करने का वचन देता है। अंत में सभी ने नशा मुक्त और मानसिक रूप से स्वस्थ होकर राष्ट्र के नवनिर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

पेंशनर्स व वरिष्ठ नागरिकों के हितों पर सौंपा ज्ञान, जनप्रतिनिधियों के कार्यों की सलाहना

जबलपुर। भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर आगमन के अवसर पर ऑल इंडिया रिटायर्ड एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष काजल विश्वास एवं बीपीएमएस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र तिवारी को उनसे भेंट के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। दोनों वरिष्ठ नेताओं ने रक्षा मंत्री से आत्मीय एवं शिष्टाचार भेंट कर वरिष्ठ नागरिकों और पेंशनर्स के हितों से संबंधित ज्ञान सौंपा। इस दौरान काजल विश्वास ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह, जबलपुर प्रभाग संसद आशीष दुबे एवं जबलपुर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्तु द्वारा क्षेत्र एवं जनहित में किए जा रहे कार्यों की रक्षा मंत्री के समक्ष सलाहना की। उन्होंने कहा कि विकास,

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से वरिष्ठ नेताओं ने की शिष्टाचार भेंट



जनकल्याण और नागरिक सुविधाओं के क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों के निरंतर प्रयासों से जबलपुर सहित मध्यप्रदेश के विकास को गति मिल रही है। भेंट के दौरान क्षेत्रीय विकास, जनहित तथा वरिष्ठ नागरिकों, पेंशनर्स एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक

चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने मुलाकात को गौरवपूर्ण एवं स्मरणीय अवसर बताया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक परिषद के सचिव दिव्यकान्त निगम, संगठन सचिव अनिल शुक्ला, कोषाध्यक्ष गुरुमुखदास एवं प्रदेश अध्यक्ष मान सिंह तोमर सहित वरिष्ठजनों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

नन्हीं बहन ने भाई की कलाई पर बांधा प्रेम का धागा

जबलपुर। रक्षाबंधन पर्व पूरे देश में हर्षोल्लास और भाई-बहन के अटूट प्रेम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर घरों से लेकर सोशल मीडिया तक भाई-बहन के स्नेह और खुशियों की तस्वीरें सामने आईं। इसी क्रम में आधारताल निवासी महज दो वर्षीय शुभकामना विश्वकर्मा ने अपने चार वर्षीय भाई शुभ विश्वकर्मा को स्नेहपूर्वक तिलक लगाया और नन्हे हाथों से उसकी कलाई पर राखी बांधी। इसके बाद बहन ने भाई को मिठाई खिलाकर उसके स्वास्थ्य, सुखी और दीर्घायु जीवन की कामना की। भाई शुभ ने भी अपनी नन्ही बहन के प्रति स्नेह जताया। दोनों मासूम भाई-बहन को यह प्यारी तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई, तो लोगों ने भी इसे खूब पसंद किया और दोनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। बचपन की मासूमियत से भरा यह रक्षाबंधन का पल भाई-बहन के रिश्ते में छिपे प्रेम, अपनापन और खूबसूरत भावनाओं की झलक दिखाता नजर आया।



जीआरपी ने दो शातिर चोरों को पकड़ा, 4 मोबाइल और 2200 रुपये नगद बरामद

जबलपुर। रक्षाबंधन एवं ईद त्यौहारों के मद्देनजर अपराधियों की धरपकड़ एवं अपराधों की रोकथाम के लिए जीआरपी जबलपुर द्वारा विशेष चेंकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक रेल सुन्दर सिंह कनेश के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेल आशुतोष मिश्र एवं उप पुलिस अधीक्षक रेल अंकिता सुल्या के मार्गदर्शन में 26 अगस्त को रेलवे स्टेशन जबलपुर में चेंकिंग के दौरान दो मामलों में आरोपियों को पकड़ा गया। प्लेटफार्म नंबर 3 पर संदिग्ध अवस्था में मिले सूरज बली निषाद (39), पिता लक्ष्मी नारायण, निवासी ग्राम बहपुरा, पोस्ट इटहरा, थाना कोरनल, जिला भदोही (उ.प्र.) के पास से खाकी रंग के थैले में विभिन्न कंपनियों के 4 मोबाइल मिले। दस्तावेज नहीं होने पर पृष्ठताड़ में उसने रेलवे स्टेशन एवं ट्रैनों से मोबाइल चोरी करना



स्वीकार किया। मामले में जीआरपी थाना जबलपुर में अपराध क्रमांक 561/26, धारा 317(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। बरामद मोबाइल के मालिकों की तलाश की जा रही है। इसी प्रकार अपराध क्रमांक 448/26, धारा 305(सी) बीएनएस के मामले में आरोपी दिनेश वंशकार उर्फ घिटला, पिता रामजी वंशकार, निवासी वार्ड क्रमांक 19, बाबू जगजीवन राम वार्ड, उड्डिया मोहल्ला, एनकेजे

थाना, जिला कटनी को स्टेशन चेंकिंग के दौरान पकड़ा गया। उसके कब्जे से मामले की मशरूका 2200 रुपये नगद बरामद किए गए। कार्रवाई में जीआरपी थाना जबलपुर की SHO संजीवनी राजपूत, प्रधान आरक्षक हेमन्त चक्रवर्ती, अंकुर गोहिया, अरुण तिवारी, मनोज मिश्रा, सतेन्द्र सिंह, अजय तिवारी, उमेश चौर, परशुराम, रविकांत रजक तथा आरपीएफ के आरक्षक हरिकेश एवं आरक्षक केदारमल का उल्लेखनीय योगदान रहा।

जितेंद्र साहू डिंडोरी जिला ओबीसी मोर्चा के जिला प्रभारी नियुक्त

जबलपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के जिला मंत्री जितेंद्र साहू को डिंडोरी जिला ओबीसी मोर्चा का जिला प्रभारी नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। यह नियुक्ति श्री साहू के अथक परिश्रम, संगठन के प्रति समर्पण एवं उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता का परिणाम है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके मार्गदर्शन में डिंडोरी जिला ओबीसी मोर्चा संगठनात्मक रूप से और अधिक सशक्त होगा तथा नए कीर्तिमान स्थापित करेगा ईश्वर से आपके सफल, यशस्वी एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल की मंगलकामना करते हैं।



परिजनों को बुलाकर दी समझाइश, लिखित आश्वासन के बाद बच्चों को सौंपा

जबलपुर। गोसलपुर-सिहोरा रेलवे सेक्शन में गहन निवारक चेंकिंग एवं गश्त के दौरान किलोमीटर नंबर 1019/23-25 के पास आरपीएफ को चार नाबालिग बच्चे रेलवे ट्रैक पर घूमते मिले। आरपीएफ जवानों ने तत्काल बच्चों को सुरक्षित हटाकर पृष्ठताड़ की। सत्यापन में सामने आया कि सभी बच्चे गोसलपुर रेलवे स्टेशन के आसपास के स्थानीय क्षेत्र के रहने वाले हैं और खेलते-खेलते रेलवे ट्रैक पर पहुंच गए थे। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें आरपीएफ पोस्ट जबलपुर लाया गया और उनके अभिभावकों को बुलाया गया। नाबालिगों की गोपनीयता के चलते उनके नाम, मोबाइल नंबर और पते सार्वजनिक नहीं किए गए। आरपीएफ ने बच्चों और उनके

रेलवे ट्रैक पर खेल रहे थे चार नाबालिग, आरपीएफ ने रोका



अभिभावकों को रेलवे ट्रैक पर खेलने अथवा घूमने से होने वाले गंभीर हादसों के खतरे के बारे में समझाइश दी। अभिभावकों को बच्चों पर निगरानी रखने और उन्हें रेलवे ट्रैक एवं परिसर में जाने से रोकने के निर्देश दिए गए।

अभिभावकों ने अपनी भूल स्वीकार करते हुए भविष्य में ऐसी घटना नहीं होने का लिखित आश्वासन दिया। आवश्यक सत्यापन और दो गवाहों की मौजूदगी में सुपुर्दगी प्रक्रिया पूरी करने के बाद चारों

बच्चों को उनके सत्यापित अभिभावकों के सुपुर्द कर दिया गया। आरपीएफ ने बताया कि रेलवे ट्रैक पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए संबंधित क्षेत्र में नियमित गश्त और निवारक चेंकिंग आगे भी जारी रहेगी।



राजा बाबू ने किया शानदार प्रदर्शन

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक खेल संघ के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया की अभी हाल ही में इंडियन पावर लिफ्टिंग के बैनर तले जिला पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें जागरूक खेल संघ के जिला सचिव और मिशन हेल्थ क्लब में अभ्यासरत राजा बाबू ने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए मास्टर वर्ग में बैच प्रेस में स्वर्ण पदक जीतकर न सिर्फ अपना, बल्कि मिशन हेल्थ क्लब और संघ का नाम रोशन किया। ध्यान रहे की इस प्रतियोगिता में लगभग 130 खिलाड़ियों ने भाग लिया। राजा बाबू आगामी 9 से 12 सितम्बर को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय पवार लिफ्टिंग प्रतियोगिता में जबलपुर का प्रतिनिधित्व करेंगे। राजा बाबू की इस उपलब्धि पर रॉबर्ट मार्टिन, लॉरेंस मार्टिन, दिनेश राव, राजेश सहारिया, दीनू स्वामी, राकेश श्रीवास, दिनेश गोंड, अनूप शर्मा, सुरेंद्र चौधरी, कुलदीप सिंह, तेजभान सिंह, शशि रमन आदि ने बधाई देते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

यह कैसी पेयजल सप्लाई व्यवस्था? 40 करोड़ हर वर्ष खर्च फिर भी फिल्टर प्लांटों की सुरक्षा लचर

जबलपुर। पेयजल सप्लाई व्यवस्था पर नगर निगम जबलपुर हर वर्ष लगभग 40 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है, पेयजल आपूर्ति के लिए एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) से अमृत योजना के तहत फंड भी मिला। इसके बावजूद पेयजल सप्लाई व्यवस्था में इस कदर लापरवाही बरती जा रही है कि जबलपुर के चार प्रमुख वाटर फिल्टर प्लांट की सुरक्षा तक ताक पर पड़ी है। भोगाद्वार तथा रांझी के इन स्थानों में सीसीटीवी कैमरे ही नहीं हैं। रांझी में नलों से आ रहे मटलैला पानी की जांच की जाए।अमृत योजना के तहत पाइप लाइनों को बदलने की योजना है, लेकिन 1700 किलोमीटर सप्लाई लाइनों में से 340 किमी लाइन का रिकार्ड ही नहीं है। अमृत-1.0 योजना के पहले ही नगर निगम को लाइनों का डेटा या मैप तैयार करना चाहिए था, किन्तु लापरवाही के कारण इसे प्राथमिकता नहीं दी गई, नतीजन जर्जर पाइप लाइन बदलने का कार्य लगभग सुस्त हो गया है।

श्वेत पत्र जारी हो

नगर निगम शहरवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का दावा कर रहा है, उसके दावे में तथा जबलपुर के पेयजल सप्लाई पाइप लाइनों की वस्तुस्थिति से उत्पन्न विरोधाभास के कारण नगर निगम को श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। पीजी नाजपांडे, रजत भार्गव, एड. वेदप्रकाश अधीलिया तथा एड. प्रभात यादव ने नगर निगम आयुक्त को पत्र भेजकर निवेदन किया है कि नागरिकों को श्वेत पत्र के माध्यम से जानकारीयों प्रदान करने से उनकी आशाएं दूर हो जाएंगी।



ब्रह्माकुमारी बहनों ने नवज्योति नशा मुक्ति केन्द्र में मनाया रक्षाबंधन पर्व

जबलपुर। नवज्योति नशा मुक्ति केन्द्र नर्मदा नगर में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, जय भीमनगर द्वारा रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें रक्षाबंधन का अर्थ ब्रह्माकुमारी आरती बहन ने बताते हुए कहा कि आज हम सभी भाई बहनों को रक्षा की आवश्यकता है और सर्वश्रेष्ठ रक्षक सभी का परमापिता परमात्मा है, अतः उसके संरक्षण में रहना ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। अंत में सभी को आत्म स्मृति का तिलक लगाकर मिठाई खिलाकर सभी से बुराई अवगुण छोड़ने का संकल्प कराया गया। इस अवसर पर हेमंत सोलंकी, श्वेता मिश्रा, नीरज रजक, डॉ. सरकार, रश्मि सोलंकी, राशिका जाटव, संतोष बर्मन, अशोक ठाकुर, बीके आरती बहन, सुनीता बहन, भ्राता रामप्रसाद तिवारी आदि की उपस्थिति रही।

ओम पंचांग कावड़ यात्रा का खजरी खिरीया बाईपास पर किया गया स्वागत वंदन अभिनंदन

जबलपुर। संस्कारधानी में श्रावण मास के अंतिम सोमवार को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए एवं कावड़ यात्राएं निकाली गईं। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी यात्रा के पांचवें वर्ष में ग्वारीघाट से उमरिया चौबे तक निकाली गई जिसका यादव समाज के लोगों ने खजरी खिरीया बाईपास पर इस यात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी रामकुमार यादव, वरिष्ठ समाजसेवी विजय यादव, वरिष्ठ समाजसेवी विनय यादव के मुख्य संयोजन में समाज एवं अनेक सदस्यगणों की उपस्थिति में यात्रा का स्वागत किया गया एवं फल, पानी के पाउच, मिठाई, केला तथा सेव का वितरण किया गया। रामकुमार यादव, विनय यादव एवं विजय यादव ने कहा कि श्रावण मास भगवान भोलेनाथ को अत्यंत प्रिय है एवं जल अभिषेक का विशेष महत्व है, इस अवसर पर स्वागत चैन सिंह यादव, खुशीराम पटेल, किट्टू हेमराज कुशवाहा, मनीराम, मणि सिंह ठाकुर, अखिल यादव, नंतराम यादव, गुड्डा प्रधान, वंश यादव, नवनीत नामदेव, वासु यादव, अस्मित पटेल, नितिन यादव, निखिल नामदेव, आर्यन यादव, मोहन यादव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सभी ने गर्वजोशी से यात्रा में चल रहे सभी का स्वागत, वंदन, अभिनंदन किया एवं सभी को कार्यक्रम में सहभागिता एवं उपस्थिति के लिए धन्यवाद प्रेषित किया।

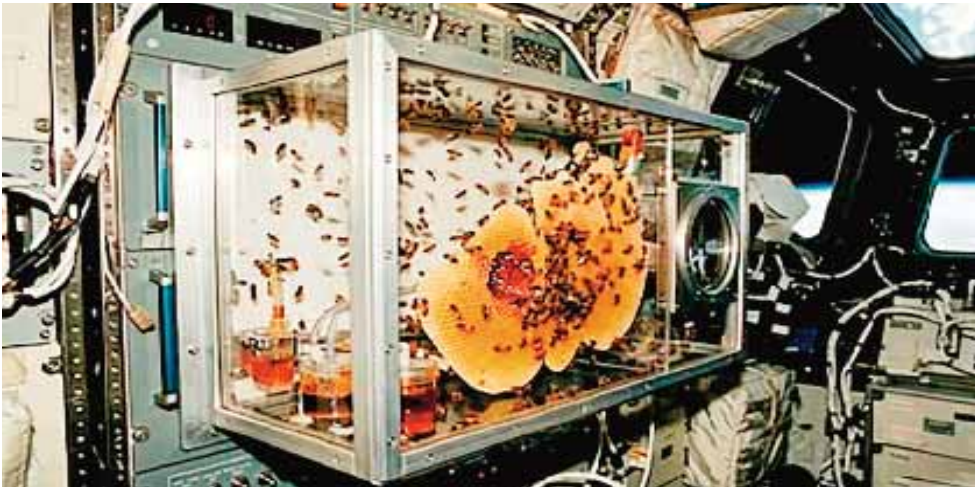


सूर्याशि, करन, अतुल, नरेंद्र बने स्ट्रांग मेन अर्पिता एवं निधि बनी स्ट्रांग वूमेन

जबलपुर। विगत 23 अगस्त को आयोजित जबलपुर जिला पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन इंडियन पॉवर लिफ्टिंग के बैनर तले किया गया जिसमें जिले के 34 हेल्थ क्लब के लगभग 130 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया जिसके परिणाम निम्न हैं महिला वर्ग में अर्पिता प्रधान प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक, निधि गोस्वामी प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय, साधना सिंग प्रथम, पुष्पा द्वितीय, पुष्पलता प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अर्जित किया। पुरुष वर्ग में कृष्णा पटेल गोल्ड मेडल, अंकित विश्वकर्मा गोल्ड, लक्की पटेल गोल्ड, श्रीयांश तिवारी गोल्ड, शिवा केवट गोल्ड, राहुल साहू सिल्वर, अनिकेत राजपूत सिल्वर, एवं बैच प्रेस में गोल्ड, दीपक रैकवार द्वितीय, आनन्या सिल्वर, रवि यादव गोल्ड, लकी पटेल गोल्ड, नियाजुल गोल्ड, वेद प्रकाश गोल्ड, करन कोल गोल्ड, बलराम पटेल गोल्ड विजेता खिलाड़ियों को कमलेश पटेल एवं धीरज पट्टरिया ने पुरस्कृत किया एवं निर्णायक कमल समद, मोहन रजक, नीरज गुप्ता एवं संजय बिल्लोरे रहे।

स्पेस में भेजीं 3,300 रानी मधुमक्खियां, जीरो ग्रेविटी में टकराने के बाद बनाया अनोखा रिकार्ड!

वाशिंगटन। नासा के वैज्ञानिक यह देखना चाहते थे कि क्या मधुमक्खियां बिना ग्रेविटी के उड़ सकती हैं और क्या वे अपना छत्ता बना सकती हैं? 7 दिनों के इस मिशन की शुरुआत में मधुमक्खियों को शुरुआती दिनों में काफी समस्या हुई और उड़ने समय वे बॉक्स की दीवारों से टकराने लगीं। लेकिन, कुछ ही दिनों में उन्होंने खुद को अंतरिक्ष के माहौल में ढाल लिया। मिशन के आखिरी दिनों तक मधुमक्खियां सामान्य तरीके से उड़ने लगी थीं और उन्होंने स्पेस में करीब 200 सेंटीमीटर का छत्ता भी बना लिया था।



नासा क्यों करना चाहता था यह प्रयोग?

नासा का यह प्रयोग एसटीएस-41सी मिशन का हिस्सा था और इसके दो उद्देश्य थे। वैज्ञानिक यह देखना चाह रहे थे कि माइक्रोग्रेविटी में मधुमक्खियां कैसा व्यवहार करती हैं और क्या वे वहां जीवित रह भी पाती हैं या नहीं। इसके साथ ही, वैज्ञानिक स्पेस में बने छत्ते की तुलना पृथ्वी पर बनने वाले छत्तों से करना चाहते थे। इन मधुमक्खियों को एक विशेष रूप से डिजाइन किए गए बॉक्स में रानी मधुमक्खी, लकड़ी के फ्रेम और भोजन के साथ रखा गया था। नासा ने उनके भोजन के लिए चीनी, पानी और अगर का एक मिश्रण तैयार किया था, क्योंकि अंतरिक्ष में सामान्य तरल पदार्थ बूंद बनकर तैरने लगते हैं।

शुरुआत में दीवारों से टकराई मधुमक्खियां

अंतरिक्ष यान की लॉन्चिंग के दौरान मधुमक्खियां सुरक्षित रहीं, लेकिन जीरो ग्रेविटी में उड़ना उनके लिए पूरी तरह से नया एक्सपीरियंस था। शुरुआती जांच में सामने आया कि जब मधुमक्खियों ने उड़ने का प्रयास कीं, तो वे अपने बॉक्स की ही दीवारों से टकराने लगीं। लेकिन, जैसे-जैसे दिन बीते, उनके व्यवहार में बदलाव आने लगा। सातवें दिन तक अंतरिक्ष यात्रियों ने बताया कि मधुमक्खियों ने जीरो ग्रेविटी के माहौल को पूरी तरह अपना लिया था और वे आत्मविश्वास के साथ उड़ने लगी थीं। क्रू मेंबर्स ने लिखा कि सातवें दिन तक छत्ता अच्छी तरह बन चुका था और मधुमक्खियां जीरो ग्रेविटी में दल चुकी थीं।



स्पेस में बना दिया 200 सेंटीमीटर का छत्ता

मधुमक्खियों ने स्पेस में न सिर्फ खुद को संभाला, बल्कि अपना काम भी शुरू कर दिया। स्पेस में बंद मधुमक्खियों ने पूरे मिशन के दौरान लगभग 200 सेंटीमीटर लंबा छत्ता तैयार किया। रिसर्चर्स ने पाया कि स्पेस में बने छत्ते और पृथ्वी के छत्ते में कुछ अंतर था। अंतरिक्ष में बने छत्ते के खानों का व्यास पृथ्वी के मुकाबले छोटा था और उनकी दीवारें ज्यादा मोटी थीं। वहीं, मधुमक्खियां सामान्य गहराई वाले खाने बनाने में सफल रहीं और उन्होंने कुछ खानों में अपनी शुगर सिरप भी जमा की। मिशन के अंत में ज्यादातर मधुमक्खियां जीवित मिलीं। इस दौरान रानी मधुमक्खी ने लगभग 35 अंडे भी दिए थे, लेकिन पृथ्वी पर लौटने के बाद उममें से बच्चे नहीं निकल सके। इसके पीछे का कारण सामने नहीं आ सका।

रोचक खबरें

जीरो फिंगर का खतरनाक नशा, 15 दिन की डाइट के बाद महिला का हुआ बुरा हाल

बीजिंग। आज के समय में स्लिम और सुंदर दिखने की दीवानगी लोगों पर इस कदर हावी हो गई है कि वे अपनी सेहत की कीमत पर जानलेवा नुस्खे अपनाने से भी नहीं कतराते। हाल ही में चीन के नैनान प्रांत से एक ऐसी ही झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जिसने सबको हैरान कर दिया है। 5 फीट 3 इंच की एक 31 वर्षीय महिला का वजन 70 किलो था। उसे जल्दी वेट लॉस करना था। इसके लिए उसने ऐसा खतरनाक रास्ता चुना, जिसने उससे उसका चलना-फिरना ही छीन लिया। महिला ने लगातार 15 दिनों तक बिना कुछ खाए, सिर्फ पानी के सहारे रहने का फैसला किया। इस क्रैश डाइट से



उसने 20 किलो वजन तो घटा लिया, लेकिन उसकी हालत ऐसी हो गई कि आज वह अपने पैरों पर ठीक से खड़ी भी नहीं हो पा रही है और उसकी चाल बिल्कुल पेंगुइन जैसी हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जब हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, तो डॉक्टरों की रिपोर्ट देख पैरो तले जमीन खिसक गई। महिला को 'वर्निके एन्सेफेलोपैथी' नाम की गंभीर दिमागी बीमारी हो गई थी। यह बीमारी शरीर में विटामिन बी1 की भारी कमी और अत्यधिक कुपोषण की वजह से होती है। इसकी चपेट में आने के बाद महिला को भ्रम होने लगा, याददाश्त कमजोर हो गई, आंखों को हिलाने में दिक्कत आने लगी और शरीर का संतुलन पूरी तरह बिगड़ गया। डॉक्टरों के मुताबिक, लंबे समय तक भूखा रहने और पोषण न मिलने से महिला के नर्वस सिस्टम को बहुत गहरा नुकसान पहुंचा है। न्यूरोलॉजिस्ट का कहना है कि तमाम इलाज के बाद भी इस बात की आशंका है कि उसकी यह पेंगुइन जैसी चाल उम्रभर के लिए ऐसी ही बनी रह सकती है।

नीले केकड़ों के खिलाफ इटली ने उतारी 1.30 लाख बेबी ऑक्टोपस की फौज

रोम। इटली ने एक खतरनाक घुसपैठिए से निपटने के लिए नया हथियार खोज लिया है। यह हथियार कोई मशीन नहीं, बल्कि ऑक्टोपस की एक विशाल आर्मी है। इटली के समंदर में ब्लू क्रैब नाम के केकड़ों ने भारी आतंक मचा रखा है। ये क्रैब दशकों पहले गलती से इटली के पानी में आ गए थे। अब इनकी संख्या बहुत ज्यादा बढ़ गई है। ये क्रैब मछली पकड़ने वाले जाल फाड़ रहे हैं। इसके अलावा ये कीमती सीप और मसल्स को भी खा रहे हैं। इससे इटली की कोस्टल इकॉनमी को भारी नुकसान हो रहा है। इस तबाही को रोकने के लिए साईंटिस्ट्स ने समंदर में लाखों ऑक्टोपस छोड़ने का फैसला किया है। उम्मीद है कि ये



ऑक्टोपस बड़े होकर इन केकड़ों को अपना शिकार बनाएंगे। इस बड़े कदम से इटली की फिशिंग इंडस्ट्री को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। ब्लू क्रैब का वजन लगभग दो पाउंड होता है। इनके नीले रंग के पंजे काफी आकर्षक लगते हैं, लेकिन ये बहुत खतरनाक होते हैं। इन केकड़ों का कोई नेचुरल शिकारी नहीं है। इसलिए इनकी आबादी तेजी से बढ़ रही है। कोलिडरेटी नाम के एक संगठन ने इस नुकसान का एनालिसिस किया है। यह संगठन मछुआरों और किसानों का प्रतिनिधित्व करता है। उनके अनुमान के मुताबिक अब तक 200 मिलियन यूरो यानी लगभग 170 मिलियन पाउंड (लगभग 22,24,18,00,000 रुपए) का नुकसान हो चुका है। ये क्रैब समंदर में मिलने वाले क्लैम और मसल्स को पूरी तरह चट कर जाते हैं। एमिलिया-रोमान्ना के एग्रीकल्चर और फिशरीज इंचार्ज एलेसियो ममी ने कहा, 'ब्लू क्रैब सिर्फ एक आक्रामक प्रजाति नहीं है। यह हमारे पानी में आए अब तक के सबसे गंभीर संकटों में से एक है।' कुछ इलाकों में इन केकड़ों ने 70 प्रतिशत क्लैम प्रोडक्शन को नष्ट कर दिया है।

इंसानों से बढ़ा टकराव, जापान में 14 हजार भालुओं को मार डाला

टोक्यो। जापान में सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2025 से लेकर जनवरी 2026 के बीच 14 हजार से ज्यादा भालुओं को मार दिया गया है। इसकी वजह जापान की खूबसूरत पहाड़ियों और घने जंगलों में इन दिनों इंसानों और भालुओं के बीच टकराव बढ़ना है। जंगलों में रहने वाले भालु अब खाने की तलाश में रिहायशी इलाकों तक पहुंच रहे हैं। हालात, इन बिगड़ गए कि जापान में भालुओं को पकड़कर मार दिया जाने लगा।

शिकारियों की भी घटी संख्या : जापान सरकार की तरफ कहा गया है कि प्रतिशिक्षित शिकारियों की कमी के कारण समस्या बढ़ी है। 1975 के बाद से लाइसेंस प्राप्त शिकारियों की संख्या आधे से भी कम हो चुकी है। इसके कारण सरकार ने आबादी वाले क्षेत्रों में भालुओं को गोली मारने के नियमों में भी ढील दी, जिसके भालुओं को पकड़ने और मारने की कार्रवाई काफी बढ़ गई।



क्यों रिहायशी इलाकों में पहुंच रहे हैं भालु?

सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर जापान में भालू रिहायशी बस्तियों तक क्यों जा हैं? जवाब है कि जंगलों में खाना कम होने पर बस्तियों में भालू पहुंचने लगे। बताया जा रहा है कि जापान के कई इलाकों में भालुओं और इंसानों के बीच टकराव की बड़ी वजह भोजन की कमी है।

बदलते मौसम से खाद्य पदार्थों की उपलब्धता प्रभावित

सर्दी के मौसम में भालू हाइबरनेशन यानी लंबी नींद में जाने से पहले जमकर खाना खाते हैं, जिसके लिए वे जंगलों में मिलने वाले बीच नट्स और एकर्न जैसे फलों और बीजों पर निर्भर रहते हैं। लेकिन रिकॉर्ड गर्मी और बदलते मौसम से जंगलों में इन खाद्य पदार्थों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। इसका नतीजा हुआ कि भूखे भालू पहाड़ों और जंगलों से गांवों और रिहायशी इलाकों में पहुंचने लगे, क्योंकि वो फलों के पेड़, खेत और इंसानों का छोड़ा खाना आसानी से पा जाते हैं। इसके अलावा एक और सबसे बड़ी वजह जापान के गांवों में इंसानों की आबादी भी कम हुई है। खेतों और बगीचे छोड़ दिए गए हैं, जो धीरे-धीरे जंगलों में बदलते जा रहे हैं। इसके कारण भालुओं के रहने की जगह और इंसानी बस्तियों के बीच की दूरी भी कम हो गई। बीते साल भालू और इंसानों के बीच यह सबसे खोफनाक भिड़ंत थी। भालुओं ने 230 से ज्यादा लोगों पर हमले किए, जिनमें 13 लोगों की मौत हो गई।

रिसर्च

हाल की इस रिपोर्ट ने बढ़ा दी है वैज्ञानिकों की चिंता

बर्लिन। एसिड रेन के बाद वैज्ञानिकों ने इलेक्ट्रिक रेन के बारे में खोज की है, जो आपके घर या आसपास रखे लोहे के सामान के लिए खतरनाक साबित होगी। वैज्ञानिकों की इस नई रिसर्च ने चिंता बढ़ा दी है। आपके घर या आसपास रखे मेटल या लोहे के सामान पर कई बार जंग लग जाती है। आमतौर पर माना जाता है कि एसिड रेन लोहे या मेटल्स को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाती है। इसके अलावा प्रदूषण से भी लोह के समानों पर जंग लगती है। इस बीच एक ऐसी रिपोर्ट सामने आई है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है।

दरअसल, जर्मनी की मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट के रिसर्चर्स ने हैरान करने वाला दावा किया है। इस रिसर्च में बताया गया कि इलेक्ट्रिकली चार्ज्ड पानी के कारण भी मेटल्स पर जंग लगती है।

जंग से बचने की नई तकनीक की जरूरत?

नई रिसर्च को लेकर वैज्ञानिकों ने चिंता जताई है। रिसर्चर्स का कहना है कि चार्ज्ड पानी नेचुरल तरीके से कई जगह बनता है। हैरान करने वाली बात है कि यह बादलों, आंधी-तूफान, समुंदर की लहरों और झरनों में भी खुद से पैदा हो जाता है। कुछ इंडस्ट्रियल प्रोसेस के दौरान भी ऐसा होता है। शोधकर्ताओं ने माना कि यह अनदेखा खतरा दुनिया की तमाम ऐतिहासिक धरोहरों को चुपचाप खोखला कर रहा है। बताया जाता है कि मौजूदा एंटी-करोजन रणनीतियां इस खतरे से निपटने के लिए काफी साबित नहीं हो सकती हैं।



क्या आपने इलेक्ट्रिक रेन के बारे में सुना था?

इलेक्ट्रिकली चार्ज्ड पानी को 'इलेक्ट्रिक रेन' के सामान्य नाम से भी जाना जाता है। वैज्ञानिक पहले से मानते रहे हैं कि बारिश का पानी धातुओं को नुकसान पहुंचाता है। आमतौर पर मुख्य कारण सिर्फ प्रदूषण या पानी की चोट को माना जाता था। अब नए शोध ने पुरानी सोच को पूरी तरह बदल दिया है। शोधकर्ताओं ने पाया कि पानी में यह छोटा चार्ज काफी नुकसान कर सकता है। इसके कारों या किसी मेटल पर पड़ने से महंगा कोट भी बँकाव हो जाता है। वैज्ञानिकों ने माना कि यह चार्ज मेटल को अंदर तक गला देता है। कैसे कारों पर होता है इसका असर : रिपोर्ट में बताया कि शोध के दौरान लैब में पानी की बूंदों को अलग-अलग चीजों पर गिराया गया। इसमें पीछे के पते, पीवीसी फोम बोर्ड और पालीस्टाइलिन ग्लास शामिल थे। इसके बाद इन बूंदों को टेपलॉन से कोट किए गए तांबे पर भी गिराया गया। इसके बाद देखा गया कि बूंदों में काफी हदका सा इलेक्ट्रिक चार्ज आ गया। यह चार्ज 0.2 से 2 नैनोकूलम्ब के बीच था। वहीं, जब इस प्रकार की 3000 बूंदें तांबे पर गिरीं, तो उसका प्रोटेक्टिव लेयर पूरी तरीके से टूट गया, जिसके बाद तांबे में तेजी से जंग लगी।

खतरे से निपटने के लिए उठाए जाने वाले कदम

हालांकि, यह स्टडी केवल लैब तक सीमित नहीं है। नेचर जर्नल की रिपोर्ट बताती है कि इस रिपोर्ट ने अब एक नई परेशानी की ओर वैज्ञानिकों का ध्यान खींचा है। हालांकि, अभी यह पता लगाना बाकी है कि सामान्य जीवन में बारिश का पानी कितना चार्ज होता है। मक्खिया में आने वाली रिसर्च में पता चलेगा कि रोजमर्रा की चीजों पर इसका कितना असर होगा। माना जा रहा है कि जब एक बार वैज्ञानिक इस खतरे को पूरी तरीके से समझ लेंगे, फिर इससे बचाव के तरीके भी सामने आएंगे.

लद्दाख में दिखा दुर्लभ कुदरती करिश्मा

नई दिल्ली। लद्दाख का भारत का ठंडा रेगिस्तान कहा जाता है। वहां पर साल भर हाड़ लगा देने वाली ठंडी हवाएं बहती हैं और कई इलाकों में भारी बर्फबारी होती है। हालांकि, काफी इलाके ठंडे और सूखे रहते हैं। अब इसी लद्दाख में एक दुर्लभ नजारा देखने को मिला है। वहां पर एक शिक्षिका ने अपने कैमरे में कुछ खास रिकॉर्ड कर लिया। उन्होंने इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर किया तो लोग दंग रह गए और देखते ही देखते ही वे तस्वीरें वायरल हो गईं। आखिर प्रेरणा दलाल के कैमरों ने ऐसा किया रिकॉर्ड कर लिया था लोग अवाक रह गए। प्रेरणा दलाल योग शिक्षिका हैं। वे लद्दाख घूमने गई थीं। वहां पर उन्होंने लद्दाख के पहाड़ों पर आसमान में हरे, नीले और बैंगनी रंग के बादल देखे। ऐसा लग रहा था कि जैसे किसी ने हल्के पेस्टल रंगों से आसमान को पेंट कर दिया हो।



अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरें पोस्ट करके प्रेरणा ने लिखा, 'आकाश में जब बादल इंद्रधनुष में बदल जाते हैं। लद्दाख के ग्लेशियरों के ऊपर ड्रोन शॉट लेते समय मैंने यह नजारा देखा। सच कहूं तो मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि मैं क्या देख रही हूं।' मैं बस वहां खड़ी होकर सोचती रही कि यह क्या है?' उनकी तस्वीरों को देखकर इंटरनेट यूजर्स बुरी तरह चौंक गए।

क्या होता है बादलों का सतरंगी होना?

रिपोर्ट के मुताबिक, बादलों को सतरंगी हो जाने की घटना को 'क्लाउड इरिडिसेंस' या 'इंद्रधनुषी बादल' कहा जाता है। यह तब होता है, जब सूर्य की रोशनी बादलों में मौजूद पानी की छोटी बूंदों के साथ संपर्क करता है। इस वजह से प्रकाश का बिखराव होता है, जिससे इंद्रधनुष जैसे रंग बनते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, हालांकि क्लाउड इरिडिसेंस एक प्राकृतिक घटना है। इसके बावजूद, यह काफी दुर्लभ और क्षणिक घटना होती है। इसे देखना बेहद ख़ास होता है। चूंकि, लद्दाख बहुत ऊंचाई पर है और वहां का वातावरण भी एकदम साफ रहता है। इसलिए वहां पर ऐसी अनेखी वायुमंडलीय घटनाएं देखने को मिल जाती हैं।

युद्ध के मैदान में सबसे खौफनाक हथियार बन रहा है स्वार्म ड्रोन

नई दिल्ली। आज के दौर में जंग का तरीका तेजी से बदल रहा है। अब सीधे आसमान में लड़ाकू विमान भेजने के बजाय एक बड़े 'मदरशिप' से सैकड़ों छोटे-छोटे ड्रोन्स का झुंड यानी 'ड्रोन स्वार्म' दुश्मन पर हमला बोलने के लिए छोड़ दिया जाता है। सोचिए अगर दुश्मन बॉर्डर पर जीपीएस या सारा नेटवर्क जाम कर दे, तब भी ये ड्रोन बिना भटके अपना काम कैसे करेंगे? लद्दाख की कठिन पहाड़ियों से लेकर समंदर के किनारों तक भारत अब खुद को इस नए जमाने की टेक्नोलॉजी से लैस कर रहा है।

एक बटन दबाते ही उड़ेंगा ड्रोन्स का तूफान

भारतीय सेना की ड्रोन क्षमता और एस 2 बिलियन का मेगा प्लान



पूरी लद्दाख में साल 2020 में चीन के साथ हुए तनाव के बाद भारत को समझ आ गया कि दुर्गम पहाड़ियों पर चीबीसी घंटे निगरानी रखना इंसानों के बस की बात नहीं है। इसीलिए अब भारत सरकार अपने घरेलू निर्माताओं जैसे अडानी ग्रुप, टाटा, एल&ई, आईडियाफोन और

ये है दुनिया का सबसे जहरीला पक्षी

केनबरा। दुनिया में कई खतरनाक जीव-जंतु हैं जिन्हें देखकर इंसान दूर भागते हैं। लेकिन, क्या आपने कभी किसी ऐसे पक्षी के बारे में सुना है जो इतना जहरीला हो कि अलुमची शिकारी भी उसे छूने से डरे? जी हां, ऐसा पक्षी वाकई मौजूद है। इसका नाम है हुडेड पिटोहूई। इसे दुनिया का सबसे जहरीला पक्षी माना जाता है। इस पक्षी के पंखों, त्वचा और शरीर में जानलेवा जहर छिपा रहता है। न्यू गिनी के घने जंगलों में रहने वाले कबीलाई लोग भी इसे देखते ही छोड़ देते हैं क्योंकि वे अच्छी तरह जानते हैं कि इसका शिकार उन्हें अपाहिज कर सकता है। आज भी न्यू गिनी के कई इलाकों में जनजातियां पारंपरिक तरीके से जीवन व्यतीत करती है। ये लोग शिकार के जरिए अपना भोजन जुटाते हैं। जंगल उनके लिए घर और रसोई दोनों है। लेकिन एक ऐसा पक्षी है जिसे देखकर ये अनुमवी शिकारी भी तुरंत पीछे हट जाते हैं। वे पीढ़ियों से जानते हैं कि हुडेड पिटोहूई को छूना भारी पड़ सकता है।

छूना भी है खतरनाक

इस पक्षी को छूते ही शरीर सन्न पड़ जाता है, सुन्न होने लगता है और गंभीर स्थिति में पक्षाघात तक हो सकता है। सोशल मीडिया पर इस पक्षी की कहानी एक बार फिर तेजी से वायरल हो रही है। लोग हैरानी जता रहे हैं कि पक्षी भी इतना खतरनाक हो सकता है? यह पक्षी मुख्य रूप से पापुआ न्यू गिनी के घने वर्षा वन में पाया जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम पिटोहूई डाइकोअस है। दिखने में ये काफी आकर्षक होता है। सिर पर काले रंग का हुड जैसा हिस्सा, नारंगी-भूरे रंग का शरीर और चमकीली आंखें इसे जंगल में आसानी से पहचाने लायक बनाती हैं। लेकिन इसकी खूबसूरती के पीछे मौत का साया छिपा है। इस पक्षी के पंखों, त्वचा और यहां तक कि मांस में भी एक शक्तिशाली जहर होता है, जिसे

बैट्कोटॉक्सिन कहा जाता है। ये वही जहर है जो दक्षिण अमेरिका के जहरीले डार्ट फ्रॉग्स में पाया जाता है। इतना असरदार जहर कि छोटी मात्रा भी इंसान के लिए खतरा बन सकती है। छूने से त्वचा पर तेज जलन, खुजली, सुन्नपन और दर्द होता है। अगर जहर अधिक मात्रा में शरीर में प्रवेश कर जाए तो मांसपेशियां काम करना बंद कर सकती हैं और व्यक्ति अस्थायी रूप से अपाहिज हो सकता है।

डरते हैं लोग

स्थानीय शिकारी बताते हैं कि वे बचपन से ही इस पक्षी को पहचानना सीख जाते हैं। इसके रंग, उड़ान के अंदाज और आवाज से वे तुरंत समझ जाते हैं कि ये वाला पक्षी हाथ नहीं लगाना है। कई पुरानी लोककथाएं प्रचलित हैं जिनमें किसी शिकारी के छूने के बाद घंटों तक शरीर में दर्द और सुन्नपन रहने की बात कही जाती है। इसलिए कबीले वाले इसे दूर से सलाम करते हैं और दूसरे सुरक्षित पक्षियों का शिकार करना परसंद करते हैं। वैज्ञानिकों को इस पक्षी की जहरीली प्रकृति का पता 1990 के दशक में चला। जब शोधकर्ता न्यू गिनी के जंगलों में अध्ययन कर रहे थे तो उन्होंने इसे पक्षी को हाथ में लिया। थोड़ी देर बाद उनके हाथों में जलन और सुन्नपन महसूस होने लगा। आगे की लैब जांच में बैट्कोटॉक्सिन की पुष्टि हुई। तब से हुडेड पिटोहूई को दुनिया का सबसे जहरीला पक्षी माना जाने लगा। रिसर्च में पाया गया कि ये पक्षी जहर अपने भोजन से प्राप्त करता है। यह कुछ खास तरह के बीटल और कीड़ों को खाता है, जिनमें ये टॉक्सिन नैचुरली होता है। पक्षी का शरीर इस जहर को सहेज करने और अपने पंखों व त्वचा में जमा करने के लिए पूरी तरह अनुकूलित हो गया है। शिकारियों और दूसरे जानवरों के लिए ये जहर बचाव का काम करता है।

चीन की नई क्रांति, बांस से बना डाला दुनिया का पहला प्लोटिंग सोलर प्लांट



बीजिंग। चीन ने समुद्री ऊर्जा के क्षेत्र में एक ऐसा क्रांतिकारी कदम उठाया है, जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। आमतौर पर समंदर में तेरते हुए सोलर प्लांट बनाने के लिए लोहे, स्टील और भारी प्लास्टिक के ढांचों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन, चीन ने शेंडोंग प्रांत के यांताई तट पर दुनिया का पहला 100-किलोवाट क्षमता वाला ऐसा प्लोटिंग सोलर फार्म उतारे हैं जिसका पूरा ढांचा बांस से बना है। 'जिलिन -2' नाम का यह अनोखा प्लेटफॉर्म बांस के कंपोजिट ट्र्यूब्स और पाइप्स की मदद से समंदर में तैर रहा है। यह प्रोजेक्ट न केवल चीन को क्लीन एनर्जी देगा बल्कि समंदर में फैलते प्लास्टिक और लोहे के कचरे को भी काफी हद तक कम करेगा।

यह नया प्लोटिंग सोलर प्लेटफॉर्म जिलिन-2 चीन के वांगताई में प्रदर्शन बेस पर तैनात किया गया है। इसे यांताई सीआईएससी रैफल्स ओशन टेक्नोलॉजी ग्रुप द्वारा विकसित किया गया है। कंपनी का दावा है कि पारंपरिक स्टील या हाई-डेंसिटी पॉलीथीन ढांचों की तुलना में यह बांस आधारित डिजाइन समुद्री पर्यावरण पर होने वाले बुरे प्रभावों को काफी कम कर देता है।

सी बैम्बू का कमाल: खारे पानी और धूप से भी नहीं होगा खराब

सबके मन में यही सवाल उठ रहा है कि बांस तो पानी में खड़ जाता है, फिर समंदर की तूफानी लहरों में यह कैसे टिकेगा? दरअसल, बीजिंग फोरेस्ट्री यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इसके लिए खास 'सी बैम्बू पाइप्स' तैयार किए हैं। ये फाइबर-रेनफोर्स्ड बुड-बैम्बू कंपोजिट पाइप हैं, जिन्हें खास तकनीक से मॉडिफाई किया गया है। ये पाइप समंदर के खारे पानी, लगातार बनी रहने वाली नमी, तेज नमक की फुहारों और सूरज की हानिकारक अल्ट्रावायलेट (यूवी) किरणों को आसानी से झेल सकते हैं।